सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com www.hellosarkar.com

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉग ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार
समाचार पत्र में
नियमित पाठक बनने,
समाचार की प्रति
मंगवाने व विज्ञापन
देने हेतु सम्पर्क करें
फोन: 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं.
9928078717

○वर्ष-23 ○अंक-277 ○दैनिक प्रभात संस्करण ○ जयपुर, बुधवार 11 जून , 2025 ○पृष्ठ-4 ○मूल्य: 2.50

टोंक-बनास नदी में पसरा मातम

8 युवकों की डूबने से मौत, 3 सुरक्षित

जयपुर। जयपुर घाट गेट से बनास नदी में नहाने गए 11 युवकों में से 8 की दुखद रूप से डूबने से मौत हो गई है। यह हृदय विदारक घटना टोंक जिले में बनास नदी के किनारे हुई, जहाँ खुशियों की तलाश में आए इन युवाओं को काल ने अपनी आगोश में ले लिया। हादसे में 3 युवक सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए हैं। दर्दनाक मंजर और कोहराम

यह खबर सुनते ही टोंक से लेकर जयपुर तक शोक की लहर दौड़ गई। जिन घरों से हँसते-खेलते युवा निकले थे, वहाँ अब चीख-पुकार और मातम का माहौल है। स्थानीय लोगों की मदद से सभी शवों को बनास नदी से बाहर निकाला गया। यह मंजर इतना दर्दनाक था कि देखने वालों की रूह काँप उठी।

अस्पताल में भारी भीड़

सभी 8 शवों को सआदत अस्पताल लाया गया है, जहाँ उन्हें मोर्चरी में रखवाया गया है। अस्पताल परिसर में भारी भीड़ जमा है, जिनमें मृतकों के परिजन और परिचित शामिल हैं। हर आँख नम है और हर चेहरा इस असहनीय पीड़ा में डूबा है। टोंक के पुलिस अधीक्षक विकास सागवान और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेंद्र भाटी सहित अन्य अधिकारी अस्पताल में मौजूद हैं, जो स्थिति का जायजा ले रहे हैं और परिजनों को ढाँढस बँधा रहे हैं।

एक और हादसा, गहरा ज़ख्म

बनास नदी में यह कोई पहला हादसा नहीं है। यह घटना एक बार फिर नदी किनारे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। इन 8 जिंदगियों का असमय चले जाना सिर्फ उनके परिवारों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समुदाय के लिए एक गहरा और कभी न भरने वाला ज़ख्म छोड़ गया है। यह हादसा कई परिवारों के सपनों को चूर-चूर कर गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 साल में राजस्थान को केंद्र प्रवर्तित योजनाओं में दिए 2 लाख 11 हजार करोड़ रुपए-मुख्यमंत्री

भारत का तकनीकी दशक

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की अद्भुत यात्रा को भारत के लिए प्रगति और गौरव के कल्याणकारी वर्ष बताए। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत न केवल एक उभरती हुई शक्ति बन रहा है, बल्कि हमारा देश दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है। 2014 से पूर्व भारत चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन पथ प्रदर्शक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मजबूत संकल्प, अदम्य इच्छाशक्ति और जन-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ भारत की तकदीर और तस्वीर बदल दी। प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल भारत को एक नई दिशा दी, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक सम्मानजनक और शक्तिशाली पहचान भी दिलाई। आज भारत की आवाज विश्व मंच पर न केवल आदर से सुनी जाती है, बल्कि उसका सम्मान भी किया जाता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है कि भारत पुनः विश्व गुरु बने, जैसा कि वह प्राचीन काल में था। उनके नेतृत्व में भारत ने न केवल आर्थिक और तकनीकी प्रगति की, बल्कि अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को पुनः स्थापित किया है। योग और आयुर्वेद को वैश्विक मंच पर सम्मान मिला और भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा आज विश्व को दिशा दिखा रही है। आज भारत एक ऐसी शक्ति है जो न केवल अपनी सीमाओं को सुरक्षित रखता है, बल्कि वैश्विक शांति और सहयोग के लिए भी काम करता है। आत्मनिर्भर भारत का उनका नारा केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत के हर नागरिक के लिए एक प्रेरणा है। हम सभी को मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करना चाहिए, जिन्होंने भारत को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया। विकसित भारत की यह यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती। हमें उनके नेतृत्व में और अधिक मेहनत करनी होगी, ताकि भारत 2047 तक एक विकसित, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बने। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के समावेशी विकास पर विशेष जोर दिया। इसलिए उन्होंने तङ्कह यानि गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति पर ध्यान केंद्रीत किया। पीएम मोदी ने कमजोर वर्ग के सशक्तिकरण के लिए पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज वितरित किया, 15 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल कनेक्शन प्रदान किए, पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ से ज्यादा घरों का निर्माण किया गया, माताओं-बहनों के लिए 12 करोड़ शौचालयों का निर्माण कराकर उन्हें सम्मान से जीवन जीने का हक प्रदान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान करने के साथ ही पहली बार केंद्र सरकार में 60 प्रतिशत मंत्री एससी, एसटी या ओबीसी वर्ग से शामिल किए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 वर्षों के कार्यकाल में देशभर की 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ते हुए 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया। किसानों के उत्थान के लिए मोदी सरकार में अभिनव काम किए गए। वर्ष 2013-14 की तुलना में वर्ष 2025-26 में कृषि बजट में 5 गुना की वृद्धि की गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों को 3 लाख 70 हजार करोड़ रूपए वितरित, 25 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित, 2021-26 के लिए पीएम कृषि सिंचाई योजना के लिए 93 हजार करोड़ रूपए आवंटित किए गए। इसी तरह महिलाओं के लिए 4 करोड़ 20 लाख सुकन्या समृद्धि खाते खोले गए, पीएम मातृ वंदना योजना के तहत लगभग 4 करोड़ गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को 18 हजार करोड़ से अधिक की राशि वितरित की गई। सवेतन मातृत्व अवकाश 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया गया। उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10 करोड़ 33 लाख से अधिक धुआं मुक्त रसोई बनाई गई।

राजस्थान में जानलेवा गर्मी-हीटवेव से दो की मौत, 48 के पार जा सकता है पारा

जयपुर। प्रदेश में मानसून आने से पहले गर्मी की तपिश ने झकझोर कर रख दिया है। हीटवेव जानलेवा हो रही है। वहीं कोटा में गर्मी से दो लोगों की मौत हो गई। जिनकी अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। सोमवार को छह शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 45 डिग्री पार पहुंच गया।

सबसे अधिक तापमान श्रीगंगानगर में

सबसे अधिक दिन का तापमान श्रीगंगानगर में 47.3 डिग्री दर्ज किया गया। कोटा में दिन का तापमान 45.4, जैसलमेर में 45, फलोदी में 45.2, बीकानेर में 45.8, चूरू में 45.6 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा रात का न्यूनतम तापमान तीन शहरों में 31 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में दिन का पारा 43.8 और रात का न्यूनतम तापमान 31.8 डिग्री दर्ज हुआ।

एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने की संभावना

मौसम केन्द्र के अनुसार पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने व हीटवेव ऊष्णरात्री का दौर जारी रहने की प्रबल संभावना है। श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ जिलों में आगामी दो-तीन दिन अधिकतम तापमान 47-48 डिग्री व तीव्र हीटवेव की प्रबल संभावना है।

कहीं गर्मी तो कहीं रहेगी बरसात और आंधी

पूर्वी राजस्थान में भी कहीं-कहीं हीटवेव व ऊष्णरात्री का दौर आगामी 3-4 दिन जारी रहने और मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इसी प्रकार कोटा, भरतपुर संभाग में मेघगर्जन के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश 15-16 जून से शुरू होने की संभावना है। बीकानेर संभाग व आसपास के क्षेत्रों में 8 से 10 जून के दौरान तेज धूलभरी हवाएं चलने की संभावना है।

कोटा में हीटवेव का कहर

कोटा में सोमवार को दो युवकों की गर्मी से मौत हो गई। दोनों का मंगलवार को पोस्टमार्टम होगा।

भीमगंजमंडी थाना क्षेत्र में प्लेटफॉर्म नंबर एक के बाहर एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया। लोगों ने बताया कि मृतक ने दोपहर में खाना भी खाया था। वहीं रेलवे कॉलोनी थानाक्षेत्र में स्टेडियम के पास एक युवक का शव पुलिस ने बरामद किया। मृतक के कपड़ों से रेलवे का 7 जून का बांद्रा से कन्नौज जाने का टिकट मिला है। दोनों की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

डीजीपी यूआर साहू होंगे आरपीएससी के नए अध्यक्ष

जयपुर। राजस्थान के डीजीपी यूआर साहू को आरपीएससी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ओडिशा के मूल निवासी हैं और 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। अब राज्य सरकार जल्द ही नए डीजीपी की नियुक्ति को लेकर फैसला ले सकती है। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक यूआर साहू को राजस्थान लोकसेवा आयोग का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिए हैं। साहू की नियुक्ति के साथ ही अब प्रदेश में नए डीजीपी की तैनाती की प्रक्रिया शुरू होगी। यूआर साहू ओडिशा के मूल निवासी हैं और 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्होंने 11 फरवरी 2024 को राजस्थान के डीजीपी का पदभार संभाला था। अपने सेवाकाल के दौरान साहू की गिनती ईमानदार और सख्त प्रशासनिक अधिकारियों में की जाती रही है। पुलिस महकमे में उनकी कार्यशैली और नेतृत्व को काफी सराहा गया है।आरपीएससी जैसे प्रतिष्ठित संवैधानिक पद की जिम्मेदारी मिलने के बाद साहू अब राज्य की भर्ती एवं चयन प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। उनकी नियुक्ति को प्रशासनिक पारदर्शिता और निष्पक्षता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राज्य सरकार जल्द ही नए डीजीपी की नियुक्ति को लेकर फैसला ले सकती है। संभावना जताई जा रही है कि वरिष्ठता और अनुभव के आधार पर कुछ नामों पर मंथन शुरू हो चुका है। यूआर साहू की नई जिम्मेदारी पर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों से शुभकामनाओं का सिलसिला भी जारी है।

जयपुर में बीच सड़क बंटी फ्री बीयर, पीने वाले बोले-गर्मी में किया कूल

जयपुर। राजस्थान में मानसून से पहले गर्मी अपना असर दिखा रही है। तेज गर्मी के चलते सभी के हाल पस्त है। जयपुर सहित कई जिलों का तापमान दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। जयपुर में भी पारा 44 डिग्री के पास पहुंच रहा है। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ युवा बीच सड़क पर फ्री बीयर और चखना बांटते नजर आ रहे हैं।

बीच सड़क छलके जाम

लगभग ढाई मिनट के वीडियो में युवाओं की एक टोली दुकान से ठंडी बीयर की पेटी खरीदती है। फिर इसे एक बिना नंबर की गाड़ी में रखकर बीच सड़क पर प्लास्टिक के गिलासों में बांटना शुरू कर देती है। वीडियो में युवाओं की टोली गाड़ियों को रोक-रोक कर बीयर के गिलास देती है।

धार्मिक भावनाओं को पहुंचाई ठेस

वायरल वीडियो निर्जला एकादशी का बताया जा रहा है। छोटी काशी में हर तरफ जहां शरबत, ठंडा पानी और आइसक्रीम का वितरण किया जा रहा था। वहीं ये युवा बीच सड़क पर बीयर बांट कर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई है। इसके चलते वायरल वीडियो को लोगों ने धर्म का विरुद्ध बताते हुए इन पर कड़ी कार्रवाई की बात कही है।

पुलिस दूर-दूर तक नहीं

वायरल वीडियो जयपुर के टोंक रोड, मालवीय नगर ?सहित शहर के अन्य जगह पर घूम-घूमकर बनाया जा रहा है। इस दौरान बिना नंबर की गाड़ी और बीच सड़क पर बीयर बंटती रही, लेकिन कहीं पुलिस नजर नहीं आ रही है। वीडियो वायरल होने के बाद भी पुलिस की ओर से अभी तक कोई कार्रवाई की सूचना नहीं है। जिसका लोग काफी विरोध कर रहे हैं।

पीने वालों की मौज

वायरल वीडियो में फिल्म इश्कजादे का टाइटल सॉन्ग चल रहा है। वहीं जब लोगों को फ्री मिल रही बीयर का पता चला तो वह पहले चौके लेकिन बाद में बड़े चाव से पीते नजर आ रहे हैं। वीडियो में एक टैक्सी ड्राइवर तो युवाओं से कह रहा है गर्मी में पानी समझकर पी रहा हूं, भगवान आपका भला करें।

बोले- कामधेनु योजना का किसानों को लाभ नहीं दे रही भाजपा सरकार-गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भजन लाल सरकार पर पशुपालकों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश के पशुपालक आज कांग्रेस सरकार को याद कर रहे हैं, जिसने लम्पी रोग से जान गंवाने वाली गायों के पालकों को 40,000 रुपए प्रति गाय का मुआवजा दिया था और भविष्य की सुरक्षा के लिए महत्वाकांक्षी %कामधेनु पशुबीमा योजना% शुरू की थी। गहलोत ने अपने बयान में कहा, एक तरफ कांग्रेस सरकार थी जिसमें लम्पी से जान गंवाने वाली गायों के पालकों को 40,000 रुपए प्रति गाय दिए थे एवं भविष्य के लिए कामधेनु पशुबीमा योजना शुरू की। इसके विपरीत, उन्होंने मौजूदा भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने इस योजना को बंद कर %मंगला पशु बीमा योजना की घोषणा की।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पहले इस योजना की शर्तें ऐसी थीं कि पशुपालकों ने दिलचस्पी नहीं ली। अब कई जिलों में योजना में पंजीकरण के बाद भी गायों तथा अन्य पशुओं की मृत्यु होने पर आज तक किसी भी पशुपालक को योजना का लाभ नहीं मिला है। यह स्थिति पशुपालकों के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गई है, क्योंकि वे संकट के समय में सरकारी सहायता से वंचित हो रहे हैं। अशोक गहलोत ने भाजपा पर दिखावा करने का आरोप लगाते हुए कहा, दिखावा करने के लिए भाजपा गौ भक्त पार्टी बनती है, पर असल में इनका चरित्र अलग है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह दिखाता है कि भाजपा सरकार किसानों और पशुपालकों को लेकर पूरी तरह असंवेदनशील है एवं उन्हें कोई लाभ नहीं देना चाहती। गहलोत का यह बयान ऐसे समय में आया है जब राज्य के पशुपालक कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और उन्हें सरकारी समर्थन की सख्त आवश्यकता है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में झोटवाड़ा में वंदे गंगा जल संरक्षण - जन अभियान की शुरुआत

बायोडाइवर्सिटी पार्क, गोविन्दपुरा, झोटवाड़ा में वृक्षारोपण हेतु श्रमदान एवं तुलसी पौधारोपण किया गया।

जयपुर। कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार और झोटवाड़ा के लोकप्रिय विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के यशस्वी नेतृत्व में जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने हेतु झोटवाड़ा में 'वंदे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान' की शुरुआत की गई है। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य न केवल जल स्रोतों की रक्षा करना है, बल्कि आमजन को इस पुनीत कार्य में सहभागी बनाकर स्थायी जल प्रबंधन, वृक्षारोपण, और स्वच्छता अभियान को गति देना है।

इस अभियान के अंतर्गत बायोडाइवर्सिटी पार्क, गोविन्दपुरा, झोटवाड़ा में वृक्षारोपण हेतु श्रमदान एवं तुलसी पौधारोपण किया गया। प्रकृति के संरक्षण व संवर्धन के इस पुनीत प्रयास में क्षेत्रवासियों, छात्रों, और जनप्रतिनिधियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि जल ही जीवन है और प्रकृति हमारी धरोहर। इस अभियान के माध्यम से हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक समृद्ध, स्वच्छ और जलसंपन्न भारत का निर्माण करेंगे। यह केवल सरकार का नहीं, हम सभी का साझा संकल्प है।

सरकार विकास के लिए कृतसंकल्पित-मंजू शर्मा

जयपुर। केन्द्र व राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार जनहित और क्षेत्रीय विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसी भावना के तहत मंगलवार को गंगवाल पार्क में टी-प्वाइंट से जेएलएन मार्ग तक बीटी व इंटरलॉकिंग टाइल्स कार्य का शिलान्यास किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि मोहल्लों के सशक्तिकरण और आधारभूत सुविधाओं के विकास से ही समग्र राष्ट्र निर्माण संभव है। इस दिशा में केंद्र और राज्य सरकार मिलकर काम कर रही हैं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि स्थानीय विधायक कालीचरण सर्राफ ने कहा कि इस क्षेत्र में ग्रेटर नगर निगम जयपुर के साथ 'ट्रिपल इंजन' की सरकार सक्रिय है, जिससे विकास की गति और तेज होगी। उन्होंने गंगवाल पार्क कॉलोनी में CCTV कैमरे लगाने की घोषणा भी की। साथ ही आश्वासन दिया कि शीघ्र ही यहां की विद्युत लाइनों को अंडरग्राउंड किया जाएगा, जिससे कॉलोनीवासियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी।

ग्रेटर नगर निगम बिल्डिंग समिति के अध्यक्ष व स्थानीय पार्षद जितेंद्र श्रीमाली ने बताया कि क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की नियमित निगरानी की जा रही है और पार्षद कोटे से भी कई नये कार्य प्रस्तावित हैं, जिनमें पार्कों का सौंदर्यीकरण, सड़क सुधार और पथ प्रकाश व्यवस्था प्रमुख हैं।

इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक एवं गंगवाल पार्क नागरिक विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. अनन्त शर्मा ने सभी जनप्रतिनिधियों का आभार जताते हुए कहा कि इस सड़क कार्य से बड़ी संख्या में अस्पताल आने वाले मरीजों को राहत मिलेगी और आवागमन सुगम होगा।

कार्यक्रम में ग्रेटर नगर निगम मालवीय नगर के उपायुक्त प्रियव्रत सिंह चारण, भाजपा शहर उपाध्यक्ष ब्रह्म कुमार सैनी, कॉलोनी विकास समिति के उपाध्यक्ष डॉ. विवेकानंद गोस्वामी, मंत्री हर्ष भाटी, प्रवीण तंवर, गिर्राज सोढ़ानी, एम.के. माहेश्वरी, अजय बंसल, मनीषा गोधा, माला जैन, निधि बंसल समेत अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पंडित राम प्रसाद बिस्मिल : भारत माता के अमर

(लेखक- डॉ. शैलेश शुक्ला / 11 जून - पंडित राम प्रसाद बिस्मिल जयंती के अवसर पर विशेष लेख)

सन 1924 में राम प्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आज़ाद, योगेश चंद्र चटर्जी, शचीन्द्रनाथ सान्याल और अन्य साथियों के साथ मिलकर हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (॥क्र) की स्थापना करते हैं। इस संगठन का उद्देश्य ब्रिटिश शासन के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष करके भारत को आज़ाद कराना था। इसका घोषणापत्र 'द रिवोल्यूशनरी' नाम से प्रकाशित हुआ जिसमें ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ पूर्ण असहयोग और हथियारों के प्रयोग की वकालत की गई थी। बिस्मिल न केवल इस संगठन के संस्थापक सदस्य थे, बल्कि इसके वैचारिक, रणनीतिक और साहित्यिक स्तंभ भी थे। उन्होंने संगठन के लिए आर्थिक संसाधन जुटाने, नवयुवकों को प्रशिक्षित करने, गुप्त बैठकों का आयोजन करने और प्रचार साहित्य तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पंडित राम प्रसाद 'बिस्मिल' का जन्म 11 जून 1897 को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर जिले में हुआ था। उनके पिता का नाम मुरलीधर था जो एक ब्राह्मण परिवार से थे और आय का मुख्य साधन पूजा-पाठ और संस्कृत अध्यापन था। माता का नाम मूलमती था। बिस्मिल बचपन से ही तेजस्वी, जिज्ञासु और आत्मनिर्भर स्वभाव के थे। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत सामान्य थी, फिर भी उनके माता-पिता ने उन्हें नैतिक मूल्यों और धार्मिक संस्कारों से परिपूर्ण किया। राम प्रसाद ने प्रारंभिक शिक्षा अपने गाँव और बाद में शाहजहाँपुर के आर्य समाज विद्यालय में प्राप्त की। उन्होंने संस्कृत, हिंदी और उर्दू भाषाओं में विशेष दक्षता प्राप्त की। बचपन में ही राम प्रसाद ने न केवल धार्मिक ग्रंथों में रुचि ली बल्कि राष्ट्रभक्ति और आत्मगौरव की भावना उनके भीतर गहराई से बस गई। जब वे किशोरावस्था में पहुँचे, तो देश की दुर्दशा देखकर उनके मन में ब्रिटिश शासन के प्रति विरोध की भावना प्रबल होने लगी। यह भावना उस समय और तीव्र हुई जब उन्होंने देखा कि भारतीय जनता अंग्रेजों के शासन में दयनीय स्थिति में जीवन जी रही है। यही वह काल था जब उन्होंने 'बिस्मिल' उपनाम से कविताएँ और लेख लिखना आरंभ किया।

बिस्मिल की विचारधारा का निर्माण मुख्यतः आर्य समाज और स्वामी दयानंद सरस्वती के सिद्धांतों से हुआ। वे सत्यार्थ प्रकाश के नियमित पाठक थे और आर्य समाज के सुधारवादी विचारों को आत्मसात करते थे। उन्होंने आर्य समाज के मंच से सामाजिक कुरीतियों, धार्मिक अंधविश्वासों और गुलामी के खिलाफ स्वर उठाना शुरू किया। आर्य समाज ने उनमें आत्मबल, राष्ट्रप्रेम और निर्भीकता का बीज बोया। यही वह संगठन था जिसने उन्हें राष्ट्र की मुक्ति के लिए क्रांति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। आर्य समाज के प्रभाव में रहकर उन्होंने न केवल धार्मिक स्तर पर पुनर्जागरण की दिशा में कार्य किया, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक चेतना भी जागृत की। बिस्मिल का मानना था कि भारत की स्वतंत्रता केवल सुधारवाद से नहीं आएगी, इसके लिए क्रांतिकारी कदम उठाने होंगे। इसी सोच ने उन्हें अनुशीलन समिति, फिर हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (॥क्र) जैसी क्रांतिकारी संस्थाओं की ओर खींचा। वे कविताओं, लेखों और पुस्तकों के माध्यम से जनता को जगाने लगे। उनके लेखों में क्रांति की गरिमा और स्वतन्त्रता के लिए संघर्ष की प्रेरणा स्पष्ट झलकती है। उन्होंने 卐मेरी आत्मकथा卐, 卐कैदियों की माताएं卐, 卐स्वदेश प्रेम卐 जैसी रचनाएँ लिखीं जो आज भी क्रांतिकारी साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं।

सन 1924 में राम प्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आज़ाद, योगेश चंद्र चटर्जी, शचीन्द्रनाथ सान्याल और अन्य साथियों के साथ मिलकर हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (॥क्र) की स्थापना करते हैं। इस संगठन का उद्देश्य ब्रिटिश शासन के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष करके भारत को आज़ाद कराना था। इसका घोषणापत्र 'द रिवोल्यूशनरी' नाम से प्रकाशित हुआ जिसमें ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ पूर्ण असहयोग और हथियारों के प्रयोग की वकालत की गई थी। बिस्मिल न केवल इस संगठन के संस्थापक सदस्य थे, बल्कि इसके वैचारिक, रणनीतिक और साहित्यिक स्तंभ भी थे। उन्होंने संगठन के लिए आर्थिक संसाधन जुटाने, नवयुवकों को प्रशिक्षित करने, गुप्त बैठकों का आयोजन करने और प्रचार साहित्य तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बिस्मिल का यह मानना था कि केवल अहिंसात्मक आंदोलन अंग्रेजों को देश छोड़ने को बाध्य नहीं करेगा, इसलिए उन्होंने हथियारबंद संघर्ष को आवश्यक बताया। ॥क्र ने 'इंकलाब ज़िंदाबाद' और 'वंदे मातरम्' जैसे नारों के माध्यम से युवाओं को आकर्षित किया और जनजागरण फैलाया। इस संस्था ने देश के विभिन्न हिस्सों में अपने कार्यकर्ताओं को संगठित किया और योजनाबद्ध ढंग से सरकारी संस्थानों को निशाना बनाकर अंग्रेजी शासन को चुनौती दी।

9 अगस्त 1925 को घटित 'काकोरी कांड' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक क्रांतिकारी मोड़ था। इस कांड का नेतृत्व पंडित राम प्रसाद बिस्मिल ने किया था। उद्देश्य था ट्रेन से ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटना ताकि संगठन के लिए धन एकत्र किया जा सके। यह घटना लखनऊ के पास काकोरी रेलवे स्टेशन पर घटित हुई जब क्रांतिकारियों ने चलती ट्रेन को रोककर सरकारी खजाना लूट लिया। इस मिशन में बिस्मिल के साथ अशफाक उल्ला खाँ, ठाकुर रोशन सिंह, राजेन्द्र लाहिड़ी और अन्य कई युवा शामिल थे। यह कार्य अत्यंत साहसिक और सुनियोजित था। हालांकि इस घटना में किसी निर्दोष नागरिक को हानि नहीं पहुँचाई गई, फिर भी ब्रिटिश सरकार ने इसे एक गंभीर आपराधिक कृत्य मानते हुए व्यापक स्तर पर गिरफ्तारी और दमन अभियान चलाया। लगभग 40 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से 4 लोगों - बिस्मिल, अशफाक, लाहिड़ी और रोशन सिंह - को मृत्युदंड दिया गया। काकोरी कांड भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में यह स्पष्ट कर गया कि युवा पीढ़ी अब केवल याचना या अहिंसा तक सीमित नहीं रहना चाहती, वे सशस्त्र क्रांति के माध्यम से भी देश को आजाद कराने के लिए तत्पर हैं। यह कांड आनेवाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना।

काकोरी कांड के बाद अंग्रेज सरकार ने बड़ी संख्या में क्रांतिकारियों को पकड़ना शुरू किया। राम प्रसाद बिस्मिल को शाहजहाँपुर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद उनके विरुद्ध मुकदमा चलाया गया जो ऐतिहासिक रूप से 'काकोरी षड्यंत्र केस' के नाम से प्रसिद्ध हुआ। इस मुकदमे की सुनवाई विशेष न्यायालय में की गई और अंग्रेज सरकार ने अत्यंत कठोर दृष्टिकोण अपनाया। बिस्मिल ने न्यायालय में अपने वक्तव्य में देशभक्ति को अपराध नहीं माना बल्कि इसे अपना परम धर्म बताया। उन्होंने ब्रिटिश सरकार के अन्यायपूर्ण रवैये को खुलकर चुनौती दी। जेल में रहते हुए उन्होंने आत्मकथा लिखी जो आज भी स्वतंत्रता संग्राम का अमूल्य दस्तावेज मानी जाती है। जेल का जीवन उनके लिए केवल दंड नहीं बल्कि आत्मचिंतन और साहित्य-सृजन का अवसर भी बना। उन्होंने जेल में रहकर आध्यात्मिक और वैचारिक गहराई के साथ समाज और स्वतंत्रता के मुद्दों पर चिंतन किया। उनका आचरण और धैर्य जेल अधिकारियों को भी प्रभावित करता था। उनका संयम, समर्पण और आत्मबल आज भी आदर्श माने जाते हैं।

पंडित राम प्रसाद बिस्मिल और अशफाक उल्ला खाँ की मित्रता भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की सबसे प्रेरणादायक कहानियों में से एक है। एक हिन्दू और एक मुस्लिम, दोनों ने न केवल धर्म की सीमाओं को लांघा, बल्कि अपने लक्ष्य के लिए जीवन की आहुति भी दी। दोनों का रिश्ता केवल संगठनात्मक नहीं था, बल्कि आत्मीय और भावनात्मक स्तर पर भी अत्यंत गहरा था। बिस्मिल की विचारधारा में दृढ़ता और अशफाक की भावनात्मक प्रतिबद्धता ने दोनों को अभिन्न बना दिया। जब बिस्मिल को गिरफ्तार किया गया और उन पर मुकदमा चला, तब अशफाक ने यह संकल्प लिया कि वे बिस्मिल को छुड़ाने के लिए अपनी जान की बाजी लगा देंगे। लेकिन भाग्य को कुछ और ही मंजूर था। बाद में अशफाक भी पकड़े गए और दोनों को एक ही मुकदमे में फाँसी की सजा सुनाई गई। मृत्यु से पूर्व अशफाक ने कहा, 卐मैं चाहता हूँ कि मेरी लाश को बिस्मिल की कब्र के बगल में दफनाया जाए।卐 बिस्मिल ने भी अपने एक लेख में लिखा कि 卐अगर मेरे दिल को चीरकर देखा जाए तो उसमें अशफाक के लिए भाईचारे और प्रेम की भावना ही निकलेगी।卐 उनकी मित्रता आज भी साम्प्रदायिक सौहार्द और एकता का प्रतीक मानी जाती है।

राम प्रसाद बिस्मिल न केवल एक क्रांतिकारी योद्धा थे, बल्कि एक संवेदनशील कवि, गद्यकार और चिंतक भी थे। उन्होंने 'बिस्मिल' उपनाम से हिंदी, उर्दू और ब्रजभाषा में देशभक्ति, बलिदान और स्वाभिमान से भरी अनेक कविताएँ लिखीं। उनकी सबसे प्रसिद्ध कविता 卐सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है卐 आज भी स्वतंत्रता संग्राम की अमर प्रेरणा बनी हुई है। यह कविता मूलतः मौलाना शौकत अली द्वारा लिखी गई थी, जिसे बिस्मिल ने अपनी भावनाओं से आत्मसात कर लिया और वह जनमानस की क्रांति का स्वर बन गई। उनकी आत्मकथा 'बिस्मिल की आत्मकथा' क्रांतिकारी जीवन की सच्ची झलक प्रस्तुत करती है, जिसमें न केवल उनके संघर्ष और बलिदान की कहानी है, बल्कि सामाजिक विषमताओं, ब्रिटिश साम्राज्यवाद की आलोचना और भारत के नव निर्माण की दिशा में गहन विचार भी समाहित हैं। उन्होंने कई पुस्तकों का अनुवाद भी किया जिनमें 'कैदियों की माता', 'योग साधना', 'स्वदेश प्रेम' जैसी कृतियाँ शामिल हैं। उनकी लेखनी में गहराई, प्रभावशीलता और राष्ट्रीय भावना का अद्भुत मेल देखने को मिलता है। उनका साहित्य आज भी युवाओं को नयी ऊर्जा देता है और देशभक्ति की प्रेरणा देता है।

पंडित राम प्रसाद बिस्मिल को 19 दिसंबर 1927 को गोरखपुर जेल में फाँसी दी गई। उनके बलिदान का समाचार जैसे ही देशभर में फैला, हर ओर शोक की लहर दौड़ गई। उन्होंने फाँसी से पूर्व अपनी माँ से अंतिम बार मिलने की इच्छा जताई थी और जब उनकी माँ उनसे मिलीं तो उन्होंने बेटे के त्याग पर गर्व जताया। माँ ने कहा - मुझे तुम पर गर्व है बेटा, देश के लिए मरते हुए जा रहे हो। बिस्मिल ने फाँसी के तख्ते पर चढ़ते समय भी 'वन्दे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए और यह दिखा दिया कि एक सच्चा क्रांतिकारी मृत्यु से भयभीत नहीं होता।

संपादकीय

बेवफाई के सनम

पिछले एक पखवाड़े में इंदौर से विवाह के तुरंत बाद मेघालय हनीमून पर गए राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम के अचानक लापता होने की गुत्थी ने पूरे देश का ध्यान खींचा। हालांकि, 23 मई को लापता होने के बाद राजा का शव दो जून को बरामद हो गया था, लेकिन सोनम के लापता होने की घटना निरंतर देशवासियों को परेशान करती रही। यहां तक कि मेघालय के लोगों के शेष भारत के लोगों के साथ कथित आक्रामक व्यवहार के नाम पर मेघालय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अतिरंजित टिप्पणियां तक की जाती रहीं। लेकिन मेघालय पुलिस की गहन छानबीन के बाद इंदौर के तीन लोगों की गिरफ्तारी के बाद सोनम का उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस के समक्ष समर्पण करना, इस पूरे कांड की कहानी ही बदल देता है। सवाल उठे कि मेघालय के जिस ईस्ट खासी हिल्स जिले में राजा का शव मिला वहां से एक हजार किलोमीटर से अधिक दूरी पर उ.प्र. के गाजीपुर सोनम कैसे पहुंची। अब इस रहस्यमय मामले पर से मेघालय, उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश की पुलिस पर्दा उठाने की कोशिश में है। इंदौर के राजा दंपति का हनीमून मनाने मेघालय जाना, फिर दोनों का गायब होना, राजा का शव बरामद होना तथा सोनम के लापता होने का घटनाक्रम किसी फिल्मी कहानी की तरह आगे बढ़ता रहा। अब सोनम के परिजन उसे बेगुनाह बताने की कोशिश में हैं तो राजा का परिवार दोषियों को सजा देने की मांग कर रहा है। लेकिन सारे मामले में सोनम की भूमिका, उसके पिता की फर्म के कर्मचारी की गिरफ्तारी तथा सोनम की रहस्यपूर्ण ढंग से गाजीपुर पहुंचने की कहानी कई संदिग्ध सवालों को जन्म दे रही है। लोगों के दिमाग में सवाल हैं कि दोनों परिवारों की सहमति से 11 मई को हुई शादी का यह दुखांत क्यों? हालांकि, राजा की हत्या बहुत ही सुनियोजित तरीके से की गई, लेकिन गाइड द्वारा राजा-सोनम के साथ तीन अन्य लोगों की उपस्थिति की बात ने मेघालय पुलिस को हत्या के तार जोड़ने में मदद की। दरअसल, शिलांग पुलिस ने बताया था कि इंदौर के एक व्यक्ति की हत्या में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें हनीमून के दौरान हत्या की साजिश रचने वाली उसकी पत्नी भी शामिल है। अब तक रहस्यमय तरीके से लापता बहू के मिलने की प्रतीक्षा कर रहे राजा के परिवार को हकीकत जानकर सदमा लगा है। मेघालय पुलिस के दावे के बाद उन्होंने सोनम की तसवीरें जलाकर गुस्सा जाहिर किया है। सार्वजनिक विमर्श में ये सवाल उठाये जा रहे हैं कि जब दोनों परिवारों की सहमति से विवाह हुआ तो यह दुखांत क्यों? हाल के दिनों में मेरठ व देश के अन्य भागों में प्रेमी से मिलकर पति की हत्या करने के कई मामलों ने विवाह संस्था पर मंडराते संकट पर चिंता बढ़ाई है। सवाल उठा है कि परिवार की सहमति से धूमधाम से विवाह रचाने वाली सोनम ने आखिर ऐसा घातक कदम क्यों उठाया? जैसा कि बताया जा रहा है कि उसने अपने पुराने प्रेम संबंधों के लिये राजा को अपनी राह से हटाया। उसने खुद ही मेघालय की फ्लाइट बुक की और सुनियोजित तरीके से भारी-भरकम गहनों के साथ कथित हनीमून पर निकली। कभी पति-पत्नी के जिन रिश्तों को जन्म-जन्मांतर का साथ बताया जाता था, उन्हें हाथ की मेहंदी सूखने से पहले कत्ल किया जाना, हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता व अविश्वास को ही उजागर करता है। आखिर क्यों विवाह से पूर्व आरोपी ने घर वालों को दो टूक नहीं कहा कि वह किसी और से प्यार करती है? क्या उसे कथित अपने प्यार को पाने के लिये राजा की जान लेनी जरूरी थी? क्यों अपने व ससुराल पक्ष के लाखों रुपये शादी के नाम पर यूं ही जाया किये?

भारतीय अध्यात्म जगत के महासूर्य हैं कबीर

(लेखक- ललित गर्ग / ईएमएस)

(संत कबीर जन्म जयन्ती- 11 जून, 2025)

भारतीय संत परम्परा और संत-साहित्य में संत कबीर एक महान् हस्ताक्षर, समाज-सुधारक, अध्यात्म की सुदृढ़ परम्परा के संवाहक एवं अनूठे संत हैं। जब भारतीय समाज और धर्म का स्वरूप रूढ़ियों एवं आडम्बरों में जकड़ा एवं अंधकारमय था, एक तरफ मुसलमान शासकों की धर्मांधता से जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी और दूसरी तरफ हिंदूओं के कर्मकांडों, विधानों एवं पाखंडों से धर्म-बल का ह्रास हो रहा था, तब संत कबीर एक रोशनी बनकर समाज को दिशा दी। कबीर ने मानव चेतना के विकास के हर पहलू को उजागर किया। श्रीकृष्ण, श्रीराम, महावीर, बुद्ध, जीसस के साथ-ही-साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा में कबीर ने धर्म की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य किया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके दोहों-विचारों से अस्पर्शित रहा हो। अपनी कथनी और करनी से मृतप्रायः मानव जाति के लिए कबीर ने संजीवनी का कार्य किया। इतिहास गवाह है, इंसान को ठोंक-पीट कर इंसान बनाने की घटना कबीर के काल में, कबीर के ही हाथों हुई। शायद तभी कबीर कवि मात्र ना होकर युगपुरुष और युगस्रष्टा कहलाए।

महात्मा कबीर सत्व, रज, तम तीनों गुणों को छोड़कर त्रिगुणातीत बन गये थे। उन्होंने निर्गुण रंगी चादरिया रे, कोई ओढ़े संत सुजान को चरितार्थ करते हुए सद्भावना और प्रेम की गंगा को प्रवाहित किया। उन्होंने इस निर्गुणी चदरिया को ओढ़ा है। उन्हें जो दृष्टि प्राप्त हुई है, उसमें अतीत और वर्तमान का वियोग नहीं है, योग है। उन्हें जो चेतना प्राप्त हुई, वह तन-मन के भेद से प्रतिबद्ध नहीं है, मुक्त है। उन्हें जो साधना मिली, वह सत्य की पूजा नहीं करती, शल्य-चिकित्सा करती है। सत्य की निरंकुश जिज्ञासा ही उनका जीवन-धर्म रहा है। वही उनका संतत्व रहा, वही उनकी साधना का अभिन्न अंग रहा। वे उसे चादर की भाँति ओढ़े हुए नहीं हैं बल्कि वह बीज की भाँति उनके अंतस्तल से अंकुरित होता रहा है। कबीर ने सगुण-साकार भक्ति पर जोर दिया है, जिसमें निर्गुण निहित है।

हर जाति, वर्ग, क्षेत्र और सम्प्रदाय का सामान्य से सामान्य व्यक्ति हो या कोई विशिष्ट व्यक्ति हो -सभी में विशिष्ट गुण खोज लेने की दृष्टि कबीर में थी। गुणों के आधार से, विश्वास और प्रेम के आधार से व्यक्तियों में छिपे सद्गुणों को वे पुष्प में से मधु की भाँति उजागर करने में सक्षम थे। परस्पर एक-दूसरे के गुणों को देखते हुए, खोजते हुए उनको बढ़ाते चले जाना कबीर के विश्व मानव या वसुधैव कुटुम्बकम् के दर्शन का द्योतक है। उन्होंने मन, चेतना, दंड, भय, सुख और मुक्ति जैसे सूक्ष्म विषयों पर भी किसी गंभीर मनोवैज्ञानिक की तरह विचार किया था और व्यक्ति को अध्यात्म की एकाकी यात्रा का मार्ग सुझाया था। कबीर ने लोगों को एक नई राह दिखाई। घर-गृहस्थी में रहकर और गृहस्थ जीवन जीते हुए भी शील-सदाचार और पवित्रता का जीवन जिया जा सकता है तथा आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है। वे संसार से भागे नहीं, बल्कि संसार में रहकर सादगी को, संतता को साधा। इसीलिये कबीर एक सामान्य मनुष्य के लिये आशा का द्वार है।

संत कबीर का जन्म लहरतारा के पास जेठ पूर्णिमा को हुआ था। उनके पिता नीरू नाम के जुलाहे थे। 119 वर्ष की आयु में उन्होने मगहर में अपना देह त्यागा। कुछ लोगों का कहना है कि वे जन्म से मुसलमान थे और युवा अवस्था में स्वामी रामानंद के प्रभाव से उन्होंने हिन्दू धर्म की विशेषताओं को स्वीकारा। कबीर ने हिन्दू, मुसलमान का भेद मिटाकर हिन्दू भक्तों तथा मुसलमान फकीरों के साथ सत्संग किया और दोनों की अच्छी बातों को आत्मसात किया। उनके जीवन में कुरान और वेद ऐसे एकाकार हो गये कि कोई भेदरेखा भी नहीं रही। कबीर पढ़े लिखे नहीं थे पर उनकी बोली बातों को उनके अनुयायियों ने लिपिबद्ध किया जो लगभग 80 ग्रंथों के रूप में उपलब्ध है। कबीर ने भाईचारे, प्रेम और सद्भावना का संदेश दिया है। उनके प्रेरक एवं जीवन निर्माणकारी उपदेश उनकी साखी, रमैनी, बीजक, बावन अक्षरी, उलट बासी में देखे जा सकते हैं। कबीर एक ऐसे संत हैं, जिनके लिये पंथ और ग्रंथ का भेद बाधक नहीं। वे दो संस्कृतियों के संगम हैं। उनका मार्ग सहजता है, यही कारण है कि उन्होंने सहज योग का मार्ग सुझाया। वे जाति-पांति के भेदभावों से मुक्त एक सच्चा इंसान, क्रांतिकारी संतपुरुष एवं अनूठे योगी थे। कबीर ने इन क्रांतिकारी शब्दों के जरिये पाखंडियों को किया था लहूलुहान-कबीर बानी अटपटी, सुनकर लागे आग। अज्ञानी जन जल मुए,ज्ञानी जाए जाग। कबीर की वाणी धधकती हुई आग के समान थी, जिस अग्नि में अज्ञानी और पाखंडियों का भस्म होना निश्चित है। संत सज्जन व्यक्तियों का जीवन सुसज्जित तथा उन्हें परम सत्य की प्राप्ति होना सुनिश्चित है। सत्य परम प्रकाश हमारे अंदर है जिसकी प्राप्ति संत कबीर जैसे महापुरुषों के ज्ञान से की जा सकती है।

महात्मा कबीर ने स्वयं को ही पग-पग पर परखा और निथारा। स्वयं को भक्त माना और उस परम ब्रह्म परमात्मा का दास कहा। वह अपने और परमात्मा के मिलन को ही सब कुछ मानते। शास्त्र और किताबें उनके लिये निरर्थक और पाखण्ड था, सुनी-सुनाई तथा लिखी-लिखाई बातों को मानना या उन पर अमल करना उनको गंवारा नहीं। इसीलिये उन्होंने जो कहा अपने अनुभव के आधार पर कहा, देखा और भोगा हुआ ही व्यक्त किया, यही कारण है कि उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते थे। कबीर शब्दों का महासागर है, ज्ञान का सूरज हैं। उनके बारे में जितना भी कहो, थोड़ा है, उन पर लिखना या बोलना असंभव जैसा है। सच तो यह है कि बूंद-बूंद में सागर है और किरण-किरण में सूरज। उनके हर शब्द में गहराई है, सच का तेज और ताप है।

(चिंतन-मनन)

जीवन का बड़ा सबक

पं. रामनाथ एक छोटी-सी जगह गुरुकुल में छात्रों को पढ़ाते थे। कृष्णनगर के राजा शिवचंद्र को यह पता लगा तो उन्हें बहुत दुख हुआ कि ऐसा महान विद्वान भी गरीबी में रह रहा है। एक दिन वह स्वयं पंडितजी से मिलने उनकी कुटिया में जा पहुंचे और बोले-पंडित जी, मैं आपकी कुछ सहायता करना चाहता हूं। पं. रामनाथ ने कहा-राजन, भगवान की कृपा ने मेरे सारे अभाव मिटा दिए हैं। मुझे अब कोई आवश्यकता नहीं रही। राजा बोले-मैं घर खर्च के बारे में पूछ रहा हूं। हो सकता है उसमें कुछ परेशानी होती हो। उन्हें जवाब मिला-इस बारे में तो गृहस्वामिनी अधिक जानती हैं। आप उन्हीं से पूछ लें।

यह सुनकर राजा गृहिणी के पास जा पहुंचे-माता, आपके घर के खर्च के लिए कोई कमी तो नहीं? गृहिणी का जवाब था- भला सर्व-समर्थ परमेश्वर के रहते उनके भक्तिं को क्या कमी रह सकती है। पहनने को कपड़े हैं। सोने को बिछौना है। पानी रखने के लिए मिट्टी का घड़ा है। भोजन की खातिर विद्यार्थी सीधा ले आते हैं। बाहर खड़ी चौलाई का साग हो जाता है। इससे अधिक की जरूरत भी क्या है? राजा श्रद्धावनत हो गए, फिर भी बोले-हम चाहते हैं कि आपको कुछ गांवों की जागीर प्रदान करें। इससे आपको भी अभाव नहीं रहेगा और गुरुकुल भी ठीक से चलता रहेगा।

राजा की यह बात सुनकर वृद्ध गृहिणी मुस्कराई-देखिए राजन, इस संसार में परमात्मा ने हर मनुष्य को जीवन रूपी जागीर पहले से दे रखी है। जो इसे अच्छी तरह से संभालना सीख लेता है, उसे फिर किसी चीज का अभाव नहीं रह जाता। यह सुनकर राजा शिवचंद्र का मस्तक झुक गया। आज उन्हें एक बड़ा सबक मिल गया था।

विचार मंथन

रावण और कंस को भी मात दी, ट्रंप ने

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिका में हाल मे हुए घटनाक्रम ने विश्व को हिलाकर रख दिया है। डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में लागू की गई नई नीतियाँ और कार्रवाइयाँ न केवल अमानवीय हैं। एक सभ्य समाज के नैतिक मूल्यों को चुनौती देने वाली हैं। ट्रम्प सरकार द्वारा की जा रही कार्यवाही अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार कानून का घोर उल्लंघन है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा, ट्रंप की नीतियों ने रामायण के रावण और महाभारत के कंस जैसे पौराणिक अत्याचारियों और अंहकारियों को पीछे छोड़ दिया है। अमेरिका में पिछले कुछ महीनो में जिस तरह से प्रवासियों के ऊपर अत्याचार किए जा रहे हैं। घरों से निकालकर सड़कों पर घसीटकर मारा-पीटा जा रहा है। मां-बाप से बच्चों को दूर किया जा रहा है। अमेरिका में प्रवासियों, विशेषकर बच्चों और उनके परिवारों के साथ पशुओं से भी गया बीता व्यवहार किया जा रहा है। वह मानवता के लिए एक काला अध्याय बन गया है। ट्रंप प्रशासन द्वारा शुरू की गई डिपोर्टेशन नीति, जिसमें रोज़ाना 3000 लोगों को देश से बाहर निकालने का लक्ष्य राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा दिया गया है। उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवीय एवं सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर दिया है। बच्चों को उनके माता-पिता से अलग करना, देर रात और सुबह घरों में घुसकर परिवार के सदस्यों को घसीटना, मारपीट करना, चर्च व स्कूल जैसे स्थानों पर छापेमारी कर अमानवी व्यवहार करते हुए लोगों को गिरफ्तार करना, यह सब अमेरिका जैसे लोकतांत्रिक देश की छवि को सारी दुनिया में धूमिल कर रहा है। अमेरिका में जो हो रहा है, वह किसी युद्धग्रस्त क्षेत्र की याद दिलाता है। विश्व के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र मैं यह कृत्य होगें, इसकी कल्पना भी किसी ने नहीं की थी। एक बच्ची का सड़क पर रोते हुए अपनी माँ से कहना, 卐मुझे मत ले जाने दो,卐 दिल दहला देने वाला दृश्य सारी दुनिया ने देखा है। यह दृश्य न केवल अमेरिका के संविधान और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों के नियम और कानूनो का घोर उल्लंघन है। ट्रंप का यह कदम न केवल प्रवासियों, बल्कि अमेरिका के अपने नागरिकों, छात्रों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, और सामान्य लोगों को भी ट्रंप सरकार के नियमों के विरोध में सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर कर रहा है। ब्लैक लाइव्स मैटर, डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट्स ऑफ अमेरिका जैसे संगठन और स्थानीय गवर्नर राष्ट्रपति ट्रंप की इस नीति के खिलाफ एकजुट होकर विरोध कर रहे हैं। लासएंजेलिस में पिछले चार दिनों से फैला यह विद्रोह कोई हुड़दंग नहीं है, बल्कि बेहतर और मानवीय समाज के संवैधानिक अधिकारों की मांग का आंदोलन है। भारत के संदर्भ में देखें तो हमारी संस्कृति और ग्रंथ हमें सहानुभूति, करुणा और न्याय का पाठ पढ़ाते हैं। रामायण में रावण के अत्याचार और महाभारत में कंस के अत्याचार से सभी भारतीय भली-भांति परिचित हैं। ट्रंप की नीतियाँ अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार कानून के विपरीत हैं। अमेरिकी संविधान के खिलाफ हैं। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रम्प में जिस तरह का अहंकार और तानाशाही देखने को मिल रही है। वह दुनिया के देशों को यह सोचने पर मजबूर करता है। सत्ता का दुरुपयोग किस तरह से अमेरिका जैसे विकसित लोकतांत्रिक राष्ट्र राष्ट्र में हो सकता है। विश्व समुदाय को, ट्रंप द्वारा किए जा रहे अत्याचार और असंवैधानिक कार्यों के खिलाफ एकजुट होकर विरोध करने आगे आना होगा। अमेरिका में जिस तरह से भारतीय प्रवासी और छात्रों के साथ बर्बरता पूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। इसका विरोध करने के लिए भारत सरकार को कड़ा विरोध करने की जरूरत है। सबसे आश्चर्य की बात है, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं। अमेरिका में रह रहे भारतीय नागरिकों के हितों की रक्षा करने मैं भारत सरकार और अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास की लापरवाही, अनदेखी और गैर जिम्मेदारी से भारतीय समुदाय आश्चर्य चकित हैं। अमेरिका के लासएंजेलिस में अमेरिका के नागरिक प्रवासियों का साथ दे रहे हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 में फार्मा कंपनियों ने अच्छा प्रदर्शन किया

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए एक रिपोर्ट बताती है कि फार्मा कंपनियों ने उम्मीद से अधिक अच्छा प्रदर्शन किया है। ब्रोकरेज द्वारा कवर की गई कंपनियों में दमदार सुधार देखने को मिला। इससे बाजार में अच्छी ग्रोथ देखी गई, जबकि अमेरिका में मिक्स्ड ट्रेंड दिखाई गई। रिपोर्ट के अनुसार सन फार्मा, `` सिप्ला, एब्बोट इंडिया जैसी कंपनियों को लॉन्ग टर्म निवेश के लिए टॉप पिक घोषित किया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार फार्मा कंपनियों की कुल रेवेन्यू में सालाना आधार पर 11.7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। ऐबिटा 15.6 फीसदी बढ़ा और मुनाफा 19 फीसदी की तेज़ ग्रोथ के साथ 133 अरब तक पहुंच गया। ये आंकड़े दिखाते हैं कि कंपनियों ने कठिन बाजार परिस्थितियों के बावजूद अच्छे नतीजे दिए हैं।

एक्मे सोलर की राजस्थान में 75 मेगावाट सौर क्षमता शुरू

नई दिल्ली।

एक्मे सोलर होल्डिंग्स ने राजस्थान के सीकर में अपनी 300 मेगावाट की सौर परियोजना में से 75 मेगावाट क्षमता शुरू कर दी है। कंपनी ने बयान में कहा कि एक्मे सीकर सौर परियोजना में 165 मेगावाट क्षमता के चालू होने के बाद उक्त क्षमता को चालू किया गया। एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने अपनी सीकर परियोजना में अतिरिक्त 75 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता चालू की है, जिससे कुल चालू क्षमता नियोजित 300 मेगावाट में से 240 मेगावाट हो गई है। इसके साथ ही कंपनी की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 2,806.4 मेगावाट हो गई है।

आगामी दिनों में 20 रुपए तक बढ़ सकते हैं सीमेंट के भाव

नई दिल्ली।

आगामी दिनों में सीमेंट के दाम में बढ़ोतरी के आसार` दिखाई दे रहे हैं। बाजार के जानकारों के मुताबिक आगामी दिनों में सीमेंट के दाम 5 से 6 प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है` कि कंपनियां सीमेंट के दाम को लेकर जून के आखिरी तक फैसला ले सकती है। बाजार के जानकारों की मानें तो भारत में सीमेंट का कारोबार जनवरी से जून तक चरम में रहता है। इस दौरान मांग के अनुसार उत्पादन भी चरम पर रहता है। वहीं, जूलाई से लेकर दिसंबर तक बारिश के दिनों में भवन निर्माण का काम मंदा रहता है। ऐसे में अनुमान है कि पूर्वी और दक्षिणी भारत की सीमेंट कंपनियां कीमतों में इजाफा कर सकती है। हालांकि, अप्रैल और मई में की गई कीमत वृद्धि का कुछ हिस्सा जून में वापस लिया गया, लेकिन जून में एक और बढ़ोतरी की कोशिश हो सकती है।

टीवीएस मोटर ने टीवीएस अपाचे आरटीआर200 4वी की पेश

चेन्नई।

दोपहिया एवं तिपहिया वाहन बनाने वाली टीवीएस मोटर कंपनी ने 2025 टीवीएस अपाचे आरटीआर 200 4वी मोटरसाइकिल श्रृंखला पेश की है। मोटरसाइकिल की नई श्रृंखला कंपनी की सभी डीलरशिप पर उपलब्ध है, जिसकी कीमत 1,53,990 रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) से शुरू होती है। यह ओबीडी2बी के अनुरूप है और उन्नत प्रौद्योगिकी, बेहतर प्रदर्शन एवं बेहतर सुरक्षा सुविधाओं से लैस है। अपाचे मोटरसाइकिल श्रृंखला के 20 साल पूरे होने के मौके पर इसे पेश किया गया। टीवीएस मोटर कंपनी के प्रमुख ने कहा` कि टीवीएस अपाचे ब्रांड सिर्फ एक मोटरसाइकिल के बारे में नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक अभियान है जिसने दो दशकों में 60 लाख से अधिक राइडर्स के जोशीले समुदाय को प्रेरित किया है।

आम इंसान की जरुरत से जुड़ा प्रोडक्ट बनने वाली कंपनी जल्द लाएगी आईपीओ

मुंबई।

आईकेयर प्रोडक्ट जैसे चश्मे, लेंस आदि बनाने वाली कंपनी लेंसकार्ट ने जल्द ही शेयर बाजार में उतरने को तैयार है। गुरुग्राम स्थित कंपनी ने जल्द ही प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लांच करेगी।

कंपनी के बोर्ड ने 30 मई को बैठक में लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम बदलकर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड करने का विशेष प्रस्ताव पारित किया, साथ ही 1 अरब डॉलर (करीब 8,500 करोड़ रुपये) का आईपीओ लाने को भी मंजूरी दे दी। इस कदम से लेंसकार्ट का इरादा एक या अधिक भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध होने का संकेत है।

हालांकि, कंपनी ने अभी तक इश्यू के आकार या समय का खुलासा नहीं किया है। अपनी फाइलिंग में लेंसकार्ट ने कहा कि नाम परिवर्तन से प्रस्तावित सार्वजनिक पेशकश के साथ आगे बढ़ने की अनुमति मिलेगी। बात दें कि साल 2008 में पीयूष बंसल, अमित चौधरी, नेहा बंसल और सुमीत कपाही ने लेंसकार्ट की शुरुआत की थी। लेंसकार्ट भारत का सबसे बड़ा ओमनी-चैनल आईवियर ब्रांड बन गया है, इसमें ऑनलाइन उपस्थिति के साथ-साथ 2,000 से अधिक रिटेल स्टोर भी खोले जा चुके हैं। कंपनी साल 2019 में यूनिकॉर्न क्लब में शामिल हुई और सॉफ्टबैंक, टेमासेक, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीएआई), अल्फा वेव ग्लोबल, केकेआर, केदारा कैपिटल और टीपीजी जैसे प्रमुख निवेशकों का समर्थन प्राप्त है। लेंसकार्ट ने जून 2024 में टेमासेक और फिडेलिटी से 20 करोड़ डॉलर का फंड जुटाया था, जिससे कंपनी की वैल्यूएशन 5 अरब डॉलर (करीब 43 हजार करोड़ रुपये) को भी पार कर चुकी है। लेंसकार्ट के आईपीओ न केवल उपभोक्ता ब्रांडों के लिए निवेशकों की रुचि दिखेगी, बल्कि कंपनी के लंबे समय से बाजार में प्रवेश करने की कोशिशों को भी नया आयाम मिलेगा।

जीवन बीमा कंपनियों का नए प्रीमियम संग्रह 11 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में जीवन बीमा कंपनियों ने नए व्यवसाय से प्रीमियम संग्रह में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। जीवन बीमा परिषद ने हाल ही में जारी आंकड़ों में बताया कि मई 2025 में नए व्यवसाय से प्रीमियम संग्रह में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नए व्यवसाय से प्रीमियम आय मई 2025 में बढ़कर 30,463 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 27,034 करोड़ रुपये थी। आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दो महीनों में संग्रह सालाना आधार पर 47,293 करोड़ रुपये से बढ़कर 52,427 करोड़ रुपये हो गया। मई 2025 में संयुक्त व्यक्तिगत प्रीमियम संग्रह में 3.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बताया गया है कि जीवन बीमा उद्योग में व्यक्तिगत एकल प्रीमियम में सालाना आधार पर 5.21 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह मई 2025 में 3,525 करोड़ रुपये रहा। देश की प्रमुख जीवन बीमा कंपनी एलआईसी का नए व्यवसाय से प्रीमियम मई 2025 में 10.27 प्रतिशत बढ़कर 18,405.04 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 16,690.39 करोड़ रुपये था।

भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में कोई गिरावट नही: गोयल

बर्न।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) में कोई गिरावट नहीं है, हालांकि आवधिक उतार-चढ़ाव कभी-कभी वैश्विक ब्याज दर में बदलाव के कारण हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत में नए सिरे से विदेशी पूंजी प्रवाह देखने को मिला है। साथ ही सरकार सुझावों के लिए तैयार है और देश में एफडीआई को बढ़ावा देने के लिए नए उपायों को अपनाएगी। गौरतलब है कि पिछले 11 वित्त वर्ष (2014-25) में भारत ने 748.78 अरब अमेरिकी डॉलर के एफडीआई को आकर्षित किया, जो पिछले 11 वर्ष (2003-14) में 143 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसके अतिरिक्त एफडीआई के स्रोत देशों की संख्या 2013-14 में 89 से बढ़कर 2024-25 में 112 हो गई, जो भारत की बढ़ती वैश्विक अपील को निवेश गंतव्य के रूप में दर्शाती है। गोयल ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि इन आंकड़ों को देखते हुए मुझे नहीं लगता कि कोई गिरावट की प्रवृत्ति है, समय-समय पर कुछ बदलाव हो सकते हैं और ऐसा अन्य देशों में ब्याज दर चक्रों में बदलाव के कारण होता है। इसलिए यदि कुछ देशों में बॉण्ड प्रतिफल अधिक हो जाता है, तो पैसा उन देशों में प्रवाहित होता है। हमने एक बार फिर भारत में पैसा वापस आते देखा है।' उन्होंने कहा कि 2024-25 में भारत को कुल 81 अरब अमेरिकी डॉलर का एफडीआई प्राप्त हुआ, जो पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है। गोयल ने कहा कि 81 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ भारत एफडीआई वृद्धि के पथ पर वापस आ गया है।

मुनाफावसूली से शेयर बाजार में सपाट कारोबार

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को सपाट बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबार दिन वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बाजार में मुनाफावसूली हावी रहने से उतार-चढ़ाव का माहौल रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 53 अंक टूटकर 82,391.72 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 1 अंक की तेजी के साथ ही 25,104.25 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर ग्रासिम इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, डॉ रेड्डीज लैब्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर गिरे। बाजार में आज आईटी और फार्मा शेयर्स में बढ़त रही। वहीं रियल्टी और सरकारी बैंकों के शेयर में गिरावट देखने को मिली।

कारोबार के दौरान रियल्टी, पीएसयू बैंक में 0.5-0.5 फीसदी की गिरावट आई, जबकि आईटी, मेटल, मीडिया में 0.5-2 फीसदी की बढ़त रही। वहीं बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में सपाट कारोबार हुआ। जबकि अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता से आशावाद और आरबीआई से समर्थन के संकेत मिले। क्षेत्रीय मोर्चे पर, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं में हल्की गिरावट दर्ज की गई, जबकि ऑटो, आईटी, मीडिया, मेटल और तेल एवं गैस सेक्टर में बढ़त रही। जिससे व्यापक बाजार को समर्थन मिला है। .

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स बढ़त के साथ 82,643.73 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 81.41 अंक की बढ़त लेकर 82,526.62 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 25,196.05 पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 20.60 अंक की बढ़त लेकर 25,136 पर कारोबार कर रहा था। इस बीच अमेरिका-चीन ट्रेड वार्ता, वैश्विक बाजारों के संकेत तथा विदेशी निवेशकों का रुख आज बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी-50 और बीएसई सेंसेक्स के मूड को तय करने वाले अहम कारक होंगे। इससे पहले सोमवार को बाजार लगातार चौथे सेशन में बढ़कर बंद हुए।

वहीं एशियाई बाजार- एशियाई बाजारों में मंगलवार को हल्की तेजी देखने को मिली। निवेशक अमेरिका और चीन के बीच चल रही ट्रेड बातचीत पर नजर बनाए हुए हैं, जो दूसरे दिन भी जारी रहेगी। इस बीच जापान का निक्केई इंडेक्स 0.5 फीसदी चढ़ा, टॉपिक्स इंडेक्स में 0.2 फीसदी की तेजी आई। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.3 फीसदी ऊपर रहा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.49 फीसदी चढ़ा। अमेरिकी बाजार–वहीं अमेरिकी शेयर बाजार के फ्यूचर्स मंगलवार सुबह एशियाई ट्रेडिंग के दौरान सपाट नजर आए क्योंकि निवेशक ट्रेड वार्ता से जुड़ी और स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं। सोमवार को वॉल स्ट्रीट मिला-जुला रहा। एसएंडपी 500 में 0.09 फीसदी की हल्की तेजी आई, नैस्डैक 0.31 फीसदी चढ़ा, जबकि डाओ जोन्स लगभग सपाट रहा और हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ।

सोना 96,500 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी लगभग 1,06,600 रुपए

नई दिल्ली।

सोने-चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के भाव गिरावट के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के भाव 96,500 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,06,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना चांदी नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 573 रुपये की गिरावट के साथ 96,600 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,173 रुपये था। इस समय यह 689 रुपये की गिरावट के साथ 96,494 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट362 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,725 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,07,087 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 477 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,610 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने-चांदी के वायदा में गिरावट देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,346.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,354.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 28.40 डॉलर की गिरावट के साथ 3,326.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.89 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.79 डॉलर था। इस समय यह 0.20 डॉलर की गिरावट के साथ 36.59 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.97 डॉलर के भाव पर दिन के और इस साल के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए।

भारत में स्टारलिंक के डिवाइस की कीमत 33,000 रुपए तक संभव

स्टारलिंक की सेवा एक से दो महीने में शुरू होगी

नई दिल्ली।

स्टारलिंक भारत में जल्दी ही सेवाओं की शुरुआत करने वाली है। भारत में स्टारलिंक के डिवाइस की कीमत 33,000 रुपये तक संभव है। सूत्रों के मुताबिक देश में स्टारलिंक की सेवाएं अगले 1-2 महीने में शुरू हो सकती हैं। इसका असीमित डाटा प्लान 3000 रुपए से शुरू होगा। यही नहीं डिवाइस के साथ एक महीने का मुफ्त ट्रायल भी उपलब्ध होगा। स्टारलिंक से दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट की पहुंच संभव होगी। अन्य देशों की बात करें तो बांग्लादेश में स्टारलिंक का न्यूनतम प्लान 2900 रुपए का है। यहां कंपनी 3000 में असीमित डाटा दे रही है। वहीं बांग्लादेश में स्टारलिंक डिवाइस की कीमत 33,000 हजार रुपए है। इसी तरह भूटान में भी डिवाइस की कीमत 33,000 रुपए है। भूटान में असीमित डाटा पैक 3000 रुपए का है। स्टारलिंक को भारत में सेवा देने के लिए दूरसंचार विभाग का लाइसेंस मिल गया है। अब उसे सिर्फ इंडियन नेशनल स्पेस मोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर यानी, इन-स्पेस की स्वीकृति का इंतजार है।

भारत बना साउथ ईस्ट एशिया का नया टूरिज्म हॉटस्पॉट

कई देशों ने वीजा नियम किए आसान

नई दिल्ली।

दक्षिण-पूर्व एशियाई देश अब भारतीय पर्यटकों को लुभाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। थाईलैंड, सिंगापुर, मलेशिया, वियतनाम, इंडोनेशिया और म्यांमार जैसे देशों ने वीजा नियम आसान करने, प्रमोशनल कैंपेन चलाने और भारतीयों के लिए खास ट्रैवल पैकेज लॉन्च करने जैसे कई कदम उठाए हैं। एक वैश्विक यात्रा डाटा कंपनी के मुताबिक, मार्च 2025 तक की तय की गई उड़ानों के आंकड़े बताते हैं कि भारत और इन छह देशों के बीच सीटों की कुल उपलब्धता में 15.6 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। साल 2025 में इन देशों और भारत के बीच कुल 10.8 मिलियन सीटें उपलब्ध होंगी, जो 2024 में मौजूद 9.35 मिलियन सीटों की तुलना में बड़ी छलांग है। यह आंकड़ा न केवल एक नया रिकॉर्ड है, बल्कि यह कोविड-19 से पहले यानी 2019 की तुलना में भी 29 फीसदी अधिक है। थाईलैंड, सिंगापुर और मलेशिया जैसे देश अब भी हवाई यात्रा की सीट क्षमता के लिहाज से भारतीय यात्रियों की शीर्ष पसंद बने हुए हैं, लेकिन वियतनाम ने हाल के वर्षों में जबरदस्त बढ़त दर्ज की है। साल 2024 में भारत से वियतनाम जाने वाले यात्रियों की संख्या 2019 की तुलना में करीब तीन गुना हो गई है। इसके साथ ही 2025 में भारत-वियतनाम के बीच उड़ानों की निर्धारित सीट क्षमता 20 फीसदी बढ़कर 9 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। वियतनाम एयरलाइंस और वियतजेट ने इस मौके का तेजी से लाभ उठाया है और भारत-वियतनाम रूट पर अच्छी हिस्सेदारी हासिल कर ली है। 2019 तक वियतनाम के लिए भारत एक प्रमुख स्रोत देश नहीं था, लेकिन 2024 में भारत वियतनाम का छठा सबसे बड़ा सोर्स मार्केट बन गया है।

पेंसिल्वेनिया में डेटा सेंटर पर 20 अरब डॉलर खर्च करेगी अमेजन

हैरिसबर्ग।

अमेरिका की बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी अमेजन पेंसिल्वेनिया में दो डेटा सेंटर परिसरों पर 20 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करने की योजना बना रही है। कंपनी ने कहा` कि इसमें से एक परिसर को उस परमाणु ऊर्जा संयंत्र के साथ बनाया जा रहा है जो ऊर्जा संयंत्र से सीधे जुड़ने की व्यवस्था को लेकर संघीय जांच के घेरे में है। अमेजन की क्लाउड कंप्यूटिंग अनुषंगी कंपनी अमेजन वेब सर्विसेज के वैश्विक डेटा सेंटर के उपाध्यक्ष केविन मिलर ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि कंपनी फिलाडेल्फिया के ठीक उत्तर में एक और डेटा सेंटर परिसर का निर्माण करेगी। बयान में कहा गया है कि एक डेटा सेंटर उत्तरपूर्वी पेंसिल्वेनिया के सुस्केहाना परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास बनाया जा रहा है, जहां से इसे बिजली प्राप्त करने का इरादा है। दूसरा फेयरलेस हिल्स में एक लॉजिस्टिक्स कैंपस, कीस्टोन ट्रेड सेंटर में होगा जो कभी यूएस स्टील मिल हुआ करता था। अमेजन ने कहा कि डेटा सेंटर को बिजली ग्रिड के माध्यम से बिजली मिलेगी। गौरतलब है कि कंपनी ने 2024 की शुरुआत से मिसिसिपी, इंडियाना, ओहियो और उत्तरी कैरोलिना में डेटा सेंटर परियोजनाओं के लिए लगभग 10-10 अरब डॉलर देने की प्रतिबद्धता जतायी है। कंपनी का लक्ष्य कृत्रिम मेधा उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अन्य प्रौद्योगिकी दिग्गजों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपनी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है। वहीं बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने पेंसिल्वेनिया में बंद पड़े थ्री माइल आइलैंड परमाणु ऊर्जा संयंत्र के मालिक के साथ एक पहले ही समझौता किया है।

भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में कोई गिरावट नहीं: गोयल

बर्न।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) में कोई गिरावट नहीं है, हालांकि आवधिक उतार-चढ़ाव कभी-कभी वैश्विक ब्याज दर में बदलाव के कारण हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत में नए सिरे से विदेशी पूंजी प्रवाह देखने को मिला है।

साथ ही सरकार सुझावों के लिए तैयार है और देश में एफडीआई को बढ़ावा देने के लिए नए उपायों को अपनाएगी। गौरतलब है कि पिछले 11 वित्त वर्ष (2014-25) में भारत ने 748.78 अरब अमेरिकी डॉलर के एफडीआई को आकर्षित किया, जो पिछले 11 वर्ष (2003-14) में 143 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसके अतिरिक्त एफडीआई के स्रोत देशों की संख्या 2013-14 में 89 से बढ़कर 2024-25 में 112 हो गई, जो भारत की बढ़ती वैश्विक अपील को निवेश गंतव्य के रूप में दर्शाती है। गोयल ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा` कि इन आंकड़ों को देखते हुए मुझे नहीं लगता कि कोई गिरावट की प्रवृत्ति है, समय-समय पर कुछ बदलाव हो सकते हैं और ऐसा अन्य देशों में ब्याज दर चक्रों में बदलाव के कारण होता है। इसलिए यदि कुछ देशों में बॉण्ड प्रतिफल अधिक हो जाता है, तो पैसा उन देशों में प्रवाहित होता है। हमने एक बार फिर भारत में पैसा वापस आते देखा है।' उन्होंने कहा कि 2024-25 में भारत को कुल 81 अरब अमेरिकी डॉलर का एफडीआई प्राप्त हुआ, जो पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है। गोयल ने कहा कि 81 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ भारत एफडीआई वृद्धि के पथ पर वापस आ गया है।

सरकार ने कृषि वस्तुओं को तीन श्रेणियों में बांटा

नई दिल्ली।

भारत ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत कृषि वस्तुओं पर अपनी बातचीत में लक्ष्मण रेखाएं खींच दी हैं। इसके तहत भारत ने अपने कृषि उत्पादों को तीन श्रेणियों में बांट` दिया है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि पहली श्रेणी में उन वस्तुओं को रखा गया है जिन पर कोई बातचीत नहीं हो सकती जबकि दूसरी श्रेणी में अत्यधिक संवेदनशील वस्तुओं को और तीसरी श्रेणी में उदारतापूर्वक विचार की जाने वाली वस्तुओं को रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह वर्गीकरण वस्तुओं की आर्थिक एवं राजनीतिक संवेदनशीलता के आधार पर किया गया है। चावल और गेहूं जैसी मुख्य खाद्य वस्तुओं को पहली श्रेणी में रखा गया है जहां शुल्क में किसी भी तरह की रियायत पर विचार नहीं किया जा सकता है। काफी संवेदनशील वस्तुओं सेब आदि को रखा गया है जो हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों के किसानों के हितों से जुड़े हैं। इस श्रेणी की वस्तुओं पर न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) अथवा शुल्क दर कोटा के जरिये सीमित रियायतें दी जा सकती हैं। मगर भारत के अमीर लोगों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली महंगी वस्तुओं के आयात के मामले में सरकार उदार रुख अपना रही है जहां शुल्क में भारी छूट दी जा सकती है। इस श्रेणी में बादाम, पिस्ता, अखरोट, ब्लूबेरी आदि वस्तुएं शामिल हैं। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर इस साल के आखिर तक हस्ताक्षर करने की प्रतिबद्धता जताई है । मगर भारत 9 जुलाई से लागू होने वाले अमेरिका के 26 फीसदी के जवाबी शुल्क से बचने के लिए जल्द से जल्द इस समझौते पर हस्ताक्षर करने पर जोर दे रहा है।

शुभांशु शुक्ला को अंतरिक्ष में भेजने के लिए भारत ने किए 538 करोड़ खर्च

नई दिल्ली।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला जल्द ही एक्सिओम स्पेस के एएक्स-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करेंगे। वह आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय बनेंगे और जीरो ग्रेविटी में रहकर रिसर्च करेंगे। यह मिशन भारत और एक्सिओम स्पेस के बीच हुए एक सरकारी कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा है। इसके लिए भारत ने करीब 70 मिलियन डॉलर (लगभग 538 करोड़ रुपये) चुकाए हैं। वहीं इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा, मौसम की स्थिति के कारण, भारतीय गगनयात्री को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजने के लिए एक्सिओम-4 मिशन का प्रक्षेपण 10 जून 2025 के बजाय 11 जून 2025 के लिए स्थगित कर दिया गया है। प्रक्षेपण का लक्षित समय 11 जून 2025 को (भारतीय समयानुसार) शाम 5ः30 बजे है। रिपोर्टों के मुताबिक, यह राशि न केवल शुभांशु शुक्ला की सीट के लिए है, बल्कि उनके और उनके बैकअप अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर की ट्रेनिंग के लिए भी खर्च की गई है। यह राशि एक्सिओम स्पेस, नासा और स्पेसएक्स के साथ मिलकर इस मिशन को अंजाम देने के लिए दी गई है। हालांकि यह पैसे ब्लू ओरिजिन और वर्जिन गैलेक्टिक जैसी कंपनियों की तुलना में कहीं ज्यादा है, लेकिन एक्सीओम का दृष्टिकोण केवल एक स्पेस राइड तक सीमित नहीं है। यह एक साल भर की प्रशिक्षण यात्रा है, जिसमें वैज्ञानिक रिसर्च, जीवन कौशल और कड़े सुरक्षा मानक शामिल हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सिओम स्पेस के सीईओ तेजपाल भाटिया ने बताया कि यह केवल एक टिकट नहीं है, बल्कि एक फुल-ऑन एंटरप्राइज है। मिशन से पहले शुभांशु शुक्ला को 700 से 1000 घंटे तक का कठोर प्रशिक्षण दिया गया है, जो कि नासा, स्पेसएक्स, ईएसए और जाक्सा जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से हुआ है। इस प्रशिक्षण में स्वास्थ्य, सुरक्षा, अंतरिक्ष यान संचालन, और आईएसएस के सिस्टम्स की समझ शामिल रही। प्रशिक्षण 8 महीने से लेकर एक साल तक चलता है और नासा मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है- हालांकि यह नासा के पूर्णकालिक अंतरिक्ष यात्रियों जितना कठोर नहीं होता। एक्सीओम-4 मिशन भारत के लिए केवल एक प्रतीकात्मक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत की महत्वाकांक्षी गगनयान परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त समाचार

ग्वालियर में 2500 ने हिंदू धर्म छोडा, बौद्ध धर्म स्वीकारा

ग्वालियर।

ग्वालियर के भितरवार स्थित धाकड़ खिरिया में आयोजित बौद्ध महासम्मेलन में ढाई हजार हिंदुओं ने हिंदू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म स्वीकार किया है। यहां पर तीन दिवसीय बौद्ध आयोजन हो रहा था। रविवार को आयोजन स्थल पर समापन के मौके पर बुद्ध भूमि पर धर्मदूत संघ भोपाल के अध्यक्ष सागर महाथेरो ने बौद्ध धर्म की शपथ दिलाई। शपथ में कहा गया, हिंदू देवी देवताओं की पूजा नहीं करूंगा। ब्रह्मा, विष्णु,महेश को ईश्वर नहीं मानूंगा। इस शपथ ग्रहण समारोह का 4. 24 मिनट का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो और शपथ ग्रहण समारोह की पुष्टि आयोजक नहीं कर रहे हैं। धर्म परिवर्तन की बात सामने आने के बाद एसडीएम भितरवार संजीव जैन इस मामले की जांच कर रहे हैं। आयोजकों से जिला प्रशासन द्वारा पूछताछ की जा रही है।

जंगल-जंगल भटकती सोनम रात में करती थी सफर, पनाह देने वालों की भी तलाश

इंदौर।

इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में नए नए राज खुल रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, हत्यारों ने सोनम के सामने ही राजा को मौत के घाट उतारा था। यह वारदात सोहरा में की गई थी। हत्यारों ने शव को खाई में फेंका और अलग-अलग हो गए। फिलहाल, पुलिस ने सोनम की प्लानिंग और शिलॉन्ग से गाजीपुर आने को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है, लेकिन खबरें हैं कि वह नेपाल भागने की तैयारी कर रही थी। इतना ही नहीं वारदात के बाद वह सिर्फ रात में ही सफर करती थी। इस बीच कुछ लोगों ने उसकी मदद भी की। रिपोर्ट के अनुसार, शादी में मिले गहने और करीब 9 लाख रुपये लेकर सोनम शिलॉन्ग गई थी। हत्या के बाद वह इनकी मदद से ही सफर तय कर रही थी और नेपाल भागने की तैयारी में थी। कहा जा रहा है कि दो युवकों ने सोनम के छिपने और रहने में मदद की थी। खबरें हैं कि हनीमून ट्रिप के दौरान सोनम लगातार हत्यारों के संपर्क में बनी हुई थी। जब मीडिया में तीनों के पकड़े जाने की खबरें आईं तो सोनम ने भी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में सरेंडर कर दिया। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं हो सका है कि सोनम ने शिलॉन्ग से गाजीपुर तक का सफर कैसे तय किया। 2 जून को खाई में राजा की लाश मिली थी और इसके बाद से ही सोनम की तलाश जारी थी। एक दिन पहले ही बातचीत में आईजी पुलिस पी मारक ने कहा, सोनम ने बीती रात दबाव में आकर सरेंडर किया है, जिसके बाद गिरफ्तारियों की संख्या 4 पर पहुंच गई है। एक आरोपी अब भी फरार है। कोर्ट कार्यवाही के लिए सोनम को वापस मेघालय लाया जाएगा।

प्रंचड गर्मी में ट्रैफिक पुलिस के जवान एसी हेलमेट से रहेंगे कूल-कूल

बिलासपुर।

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में अब प्रंचड गर्मी में ट्रैफिक पुलिस के जवानों को परेशानी नहीं होगी। उन्हें गर्मी में भी कूल रखने के लिए एसी हेलमेट दिए जाएंगे। इस संदर्भ में फिलहाल, ट्रायल शुरू हुआ हैं, कुछ ट्रैफिक पुलिस जवानों को हेलमेट दिए गए हैं। अगर यह ट्रायल सफल होता है, तब सभी ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों को एसी हेलमेट उपलब्ध कराए जाएंगे। पुलिस ने बताया कि वर्तमान समय में गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए, जिला बिलासपुर में यातायात नियंत्रण के लिए तैनात पुलिस कर्मियों के लिए से एसी हेलमेट का परीक्षण हुआ है। इसका मुख्य उद्देश्य यातायात नियंत्रण के लिए तैनात पुलिस कर्मियों को भारी गर्मी से राहत दिलाना है ताकि वे अपनी ड्यूटी को लंबे समय तक बिना किसी थकावट के काम कर सकें। यह हेलमेट खासकर उन ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के लिए मंगवाया है, जो कड़ी धूप में अपनी ड्यूटी करते हैं। एसपी ने कहा, हमारे ट्रैफिक पुलिसकर्मी घंटों चिलचिलाती धूप में खड़े रहते हैं। यह नया हेलमेट उनके लिए बहुत फायदेमंद होगा, क्योंकि यह उन्हें गर्मी से बचाएगा और वे अपनी ड्यूटी को और अच्छे से कर पाएंगे। हेलमेट में कूलिंग के लिए बैटरी लगाई गई है और बैटरी के जरिये कूलिंग सिस्टम काम करेगा। अहम बाता है कि एक बार चार्ज होने पर चार से पांच घंटे तक काम कूलिंग सिस्टम काम करता है।

इस सप्ताह भीषण गर्मी और चलेगी हीटवेव, दक्षिण भारत में सक्रिय होगा मॉनसून

12 से 15 जून तक कर्नाटक में भारी बारिश होने की संभावना

नई दिल्ली।

दिल्ली-एनसीआर, यूपी समेत देश के कई राज्यों में अप्रैल और मई में गर्मी से राहत मिली थी, लेकिन अब जून में भीषण गर्मी ने सभी का चैन सुकून छीन लिया और गर्मी से लोगों का बुरा हाल है। दिल्ली-एनसीआर, यूपी, राजस्थान, हरियाणा, बिहार, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में लू जैसे हालात हैं। मई के तीसरे सप्ताह में अच्छी बारिश से मौसम ठंडा हो गया था, लेकिन अब मॉनसून आने में देर है और उससे पहले भीषण गर्मी पड़ रही हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस सप्ताह के आखिर तक भीषण गर्मी रहेगी और लू भी चलेगी। पश्चिमोत्तर और मध्य भारत में भीषण गर्मी रहेगी, जबकि दक्षिण भारत में मॉनसून सक्रिय रहने की संभावना है। 12 से 15 जून में कर्नाटक में भारी से बहुत भारी बारिश होने की उम्मीद है। इसके अलावा 13 से 15 जून के दौरान कोंकण और गोवा में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। अगले 4 से 5 दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत में लू की संभावना है। 13 से 15 जून के बीच हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर छिटपुट बारिश हो सकती है। इसके अलावा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इस बारिश से तापमान में कोई खास असर नहीं पड़ेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 5 दिनों में यूपी, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में तापमान में गिरावट आ सकती है। इसका अर्थ है कि तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। यही नहीं बुधवार को लेकर तो अनुमान है कि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालांकि सप्ताहांत के बाद तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की कमी आ सकती है। इसी तरह से अगले दो से तीन दिन तक पूर्वी भारत के राज्यों में भी तापमान में गिरावट नही आएगी। इसके बाद अगले कुछ दिनों में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की कमी आएगी।

लिपुलेख दर्रा और नाथू ला दर्रा से श्रद्धालु कर सकेंगे कैलाश मानसरोवर यात्रा

2020 में कोविड और भारत-चीन तनाव के कारण कर दी थी बंद

नई दिल्ली।

गृह मंत्रालय ने सिक्किम में नाथू ला और उत्तराखंड में लिपुलेख ला को कैलाश मानसरोवर यात्रा के तीर्थयात्रियों के लिए भारत में प्रवेश और भारत से बाहर जाने के लिए अस्थायी आधार पर अधिकृत आव्रजन जांच चौकियों के रूप में नामित किया है। विदेश मंत्रालय हर साल जून से सितंबर के दौरान दो मार्गों लिपुलेख दर्रा और नाथू ला दर्रा के जरिए कैलाश मानसरोवर यात्रा का आयोजन करता है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए सिक्किम स्थित नाथु ला और उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले स्थित लिपुलेख ला को अस्थायी रूप से अधिकृत आव्रजन चौकी घोषित किया है। यह व्यवस्था तीर्थयात्रियों के भारत में प्रवेश और निकास को सुगम बनाने के लिए की गई है। यह यात्रा 2020 में कोविड-19 महामारी के कारण बंद कर दी गई थी और इसके बाद भारत-चीन सीमा तनाव के कारण स्थगित रही। यह यात्रा अब फिर शुरू हो रही है। गृह मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर कहा कि केंद्र सरकार ने पूर्वी सिक्किम जिले में स्थित नाथू ला चेक-पोस्ट को कैलाश मानसरोवर यात्रा के तीर्थयात्रियों के लिए वैध यात्रा दस्तावेजों के साथ भारत में प्रवेश और बाहर निकलने के लिए अस्थायी आधार पर अधिकृत आव्रजन चेक-पोस्ट के रूप में नामित किया है। गृह मंत्रालय ने कहा कि पासपोर्ट नियम, 1950 के अनुसरण में केंद्र सरकार ने उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित लिपुलेख ला चेक-पोस्ट को कैलाश मानसरोवर यात्रा के तीर्थयात्रियों के लिए भारत में प्रवेश और निकास के वास्ते अस्थायी आधार पर अधिकृत आव्रजन चौकी के रूप में नामित किया है। बता दें यह यात्रा केवल वैध भारतीय पासपोर्ट रखने वाले पात्र भारतीय नागरिकों के लिए खुली है, जो धार्मिक उद्देश्यों से कैलाश मानसरोवर जाना चाहते हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को मिली नई जिम्मेदारी, डीजीएमओ पद भी संभालेंगे

नई दिल्ली।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को सेना में नई जिम्मेदारी सौंपी है। भारतीय सशस्त्र बलों के सफल अभियान के बाद उन्हें डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के पद पर पदोन्नत किया है। इस दौरान राजीव घई सैन्य अभियानों के महानिदेशक (डीजीएमओ) के पद पर बने रहेंगे। अधिकारियों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। राजीव घई उन शीर्ष अधिकारियों में शामिल थे जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद पाकिस्तान के साथ चले संघर्ष के जुड़ी जानकारियां मीडिया को दी थी। घई ने अपने वायु सेना और नौसेना समकक्षों के साथ 11 और 12 मई को मीडिया को ऑपरेशन से जुड़ी जानकारी दी थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि नई भूमिका में राजीव सैन्य अभियान, खुफिया अभियान, रणनीतिक योजना और इन्फॉर्मेशन वॉर जैसे मामलों की देखरेख करेंगे। इससे पहले पिछले सप्ताह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजीव घई को संघर्ष के दौरान विशिष्ट सेवा के लिए उन्हें उत्तम युद्ध सेवा पदक से भी सम्मानित किया है। इससे पहले भारत ने बताया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच बनी युद्ध जैसी स्थिति के बाद डीजीएमओ घई और उनके पाकिस्तानी समकक्ष मेजर जनरल काशिफ अब्दुल्ला ने हॉटलाइन पर बात की थी, जिसके बाद सीजफायर पर सहमति बनी थी। दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच सीजफायर बनाए रखने के लिए 12 मई को फिर से बात हुई। 11 मई की ब्रीफिंग में घई ने कहा था कि भारतीय सशस्त्र बलों ने काफी संयम बरता है।

बीते 3 साल में साढ़े 7 हजार लोगों ने लोकल ट्रेन के सफर में जान गंवाई

मुंबई।

मुंबई की जीवन रेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेन लोगों का जीवन भी छीन रहीं हैं। वजह ये है कि भारी भरकम भीड़ और धक्का मुक्की के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। मुंब्रा स्टेशन पर हादसे पर सवाल उठ रहे हैं। एक आरटीआई के मुताबिक, बीते तीन वर्षों में मुंबई लोकल में सफर करने वाले 7,560 यात्रियों ने अपनी जान गंवाई है, जबकि 7,293 गंभीर रूप से घायल हुए। यह खुलासा मुंबई लोहमार्ग पुलिस (जीआरपी) द्वारा आरटीआई के तहत दी गई जानकारी में हुआ है। सस्ती, तेज और सुलभ लोकल यात्रा अब खतरनाक बनती जा रही है। अधिक भीड़, सीमित लोकल फेरे, अपर्याप्त सुविधाएं, स्टेशन के प्रवेशद्वारों पर सुरक्षा का अभाव और ट्रैक के पास बैरिकेडिंग की कमी आदि लोकल ट्रेन के हादसों का कारण बन रहे हैं। रेल यात्री परिषद के अध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने कहा कि जहां एक ओर मुंबई की लोकल ट्रेनें रोज़ लाखों यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचा रही हैं, वहीं दूसरी ओर यह आंकड़े प्रशासन की लापरवाही की गवाही दे रहे हैं। सुरक्षा इंतजामों की कमी, ट्रेनों की संख्या में बढ़ोतरी न होना और सिग्नलिंग सिस्टम की खामियां -इन सभी ने मुंबई की लोकल ट्रेन की यात्रा को असुरक्षित बना दिया है। सामाजिक कार्यकर्ता समीर जवेरी के मुताबिक, मध्य रेलवे रूट पर सबसे अधिक हादसे ठाणे से कल्याण के बीच हुए हैं। ठाणे और कल्याण जीआरपी थानों में 2024 में सबसे ज्यादा मौतें दर्ज हुईं। इनमें कुल 387 लोगों की जान गई और 788 लोग घायल हुए। अकेले कल्याण में 116 मौतें और 157 घायल दर्ज किए गए, वहीं ठाणे में 68 मौतें और 107 घायल। इन अधिकतर मामलों में लोग चलती ट्रेन से गिरकर मौत का शिकार बने।

क्या 500 के नोट हो जाएंगे बंद! सरकार ने दावे को किया खारिज

एनडीए सहयोगी चंद्रबाबू ने नोट को बंद करने की मांग की

नई दिल्ली।

हाल ही में एक वायरल वीडियो में दावा किया गया है कि केंद्र सरकार 500 रुपए के नोट बंद करने जा रही है। हालांकि सरकार ने इस दावे को खारिज कर दिया है, लेकिन अब यह मुद्दा फिर चर्चा में है क्योंकि आंध्र प्रदेश के सीएम और एनडीए सहयोगी चंद्रबाबू नायडू ने इस नोट को बंद करने की मांग की है। एक इंटरव्यू में चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि देश में सिर्फ 100 और 200 से छोटे नोट ही चलन में होने चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक बड़े नोट बंद नहीं होते, तब तक भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लग सकती है। नायडू पहले भी डिजिटल ट्रांजैक्शन और पारदर्शिता को बढ़ावा देने की मांग कर चुके हैं। 2016 में नोटबंदी के दौरान पुराने 500 और 1000 रुपए के नोट बंद कर दिए गए थे। इसके बाद सरकार ने नए 500 और 2000 रुपए के नोट जारी किए थे, लेकिन 2000 रुपए का नोट अब चलन से बाहर कर दिया गया है। इस समय 500 का नोट सबसे ज्यादा चलन में है। कुल करेंसी में इसका 41 फीसदी हिस्सा है और कीमत के हिसाब से देखा जाए तो यह हिस्सा 86 फीसदी तक पहुंचता है। सरकार का फिलहाल 500 के नोट को बंद करने का कोई विचार नहीं है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में कहा था कि सरकार छोटे नोटों के इस्तेमाल और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने पर काम कर रही है। हालांकि, छोटे नोटों की उपलब्धता और डिजिटल भुगतान की आदत अब भी बड़ी चुनौती है।

नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी, अब तक कई खूंखार और ईनामी नक्सली ढेर

रायपुर।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों का अभियान जारी है इसका असर अब साफ दिखाई देने लगा है जो इलाकों नक्सलियों का गढ़ माने जाते थे वहां अब सुरक्षा बलों का नियंत्रण और दबदबा हो गया है। हाल के महीनों में सुरक्षा बलों ने कई खतरनाक और मोस्ट वांटेड नक्सली कमांडरों को ढेर कर दिया है, जिन पर लाखों का इनाम घोषित था।

ये वह नाम थे, जो लंबे समय से लाल आतंक का चेहरा बने हुए थे।

सबसे बड़ी सफलता बीजापुर जिले में मिली जहां सुरक्षाबलों ने इंद्रावती नेशनल पार्क क्षेत्र में मुठभेड़ में नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी के सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर को मार गिराया था। सुधाकर नक्सल संगठन का शिक्षा प्रमुख था और युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में उसकी अहम भूमिका थी।

उस पर एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। इसके बाद तेलंगाना कमेटी के सदस्य भास्कर को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया।

भास्कर मंचेरियल-कोमाराम भीम डिविजनल कमेटी का सचिव था और उसके पास से आधुनिक हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद हुआ था। उस पर 45 लाख रुपए का इनाम था। नारायणपुर में हुई मुठभेड़ अब तक की सबसे बड़ी सफलता मानी जा रही है।

यहां सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को मौत के घाट उतार दिया था, जिनमें सबसे बड़ा नाम नंबाल्ला केशव राव उर्फ बसवराजू का था। बसवराजू सीपीआई-माओवादी का महासचिव था और देश का सबसे बड़ा वांटेड नक्सली नेता था। उस पर डेढ़ करोड़ रुपए का इनाम रखा गया था। गरियाबंद में एक और बड़े ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने 16 नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए नक्सलियों में जयराम उर्फ चलपति भी शामिल था, जो सेंट्रल कमेटी का सदस्य और एक करोड़ का इनामी था। वह कई बड़े हमलों का मास्टरमाइंड रहा था। इसके अलावा दामोदर उर्फ चोखा राव भी मारा जा चुका है। हालांकि, नक्सली संगठन उसका खंडन करते हुए दावा कर रहे हैं कि वह जीवित है। उस पर 50 लाख का इनाम था और वह कई राज्यों में मोस्ट वांटेड था। इन कार्रवाइयों से यह साफ होता है कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अपने कमजोर दौर से गुजर रहा है और सुरक्षा बलों की आक्रामक रणनीति ने संगठन को भारी नुकसान पहुंचाया है।

भारतीय कॉर्पोरेट के 60 प्रतिशत कर्मचारियों ने की थकान की शिकायत

नई दिल्ली।

भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र के करीब 51 प्रतिशत कर्मचारी अत्यधिक तनाव, थकावट, चिंता और हताशा जैसी मानसिक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। कर्मचारियों में मानसिक तनाव की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। ताजा अध्ययन के मुताबिक, लगभग 60 प्रतिशत कर्मचारियों ने थकान की शिकायत की है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कार्यस्थल का मानसिक माहौल बेहद दबावपूर्ण बन चुका है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि भारतीय कंपनियों को खराब मानसिक स्वास्थ्य के चलते हर साल करीब 1.10 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है। गैर सरकारी संगठन द लिव लव लाफ फाउंडेशन द्वारा किए गए इस अध्ययन में बताया गया कि भारतीय कंपनियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति गंभीर रवैया अपनाना होगा। संगठन ने कहा कि एक ऐसा कार्यस्थल जरूरी है जहां सहानुभूति आधारित वातावरण हो, लोग मानसिक रूप से सुरक्षित महसूस करें, खुलकर अपनी बातें रख सकें और जरूरत पड़ने पर मदद मांगने में संकोच न करें।

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर निवेश को सिर्फ नैतिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि एक व्यावसायिक दृष्टि से भी जरूरी कदम बताया गया है जो कंपनियों की उत्पादकता और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है। फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. श्याम भट ने कहा कि कंपनियों को सिर्फ कर्मचारी सहायता कार्यक्रमों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को गहराई से समझते हुए डेटा आधारित समाधान अपनाने होंगे। बार-बार सर्वे कराने या तात्कालिक उपायों के बजाय, समस्या की जड़ तक पहुंचना आवश्यक है। वहीं ट्रस्टी और बायोकॉन समूह की प्रमुख ने भी इस बात पर जोर दिया कि मानसिक स्वास्थ्य, संपूर्ण स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण अंग है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717